International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 14 Issue 03, March 2024,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

राजस्थान में अनुसूचित जातियों की जनसंख्या का वितरण एवं घनत्व, 2011

साहस यादव, शोधार्थी
राजऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर

सारांश

राजस्थान राज्य में अनुसूचित जातियों की कुल जनसंख्या 12221593 है। राज्य में कुल 59 अनुसूचित जातियाँ निवास करती हैं; इनमें चमार, जाटव, बैरवा, मेहतर, जटिया, मोची, धोबी, बावरिया, जीनगर, कंजर, खटीक, कोली, मजहबी, मेघवाल इत्यादि प्रमुख हैं। राज्य की जनसंख्या में 17.8 प्रतिशत हिस्सा अनुसूचित जातियों का है। राजस्थान के मरुस्थलीय जिलों में अनुसूचित जातियों की जनसंख्या का 45 प्रतिशत से अधिक भाग, मैदानी जिलों में 30 प्रतिशत से अधिक भाग एवं शेष करीब अनुसूचित जातियों की जनसंख्या का एक चौथाई भाग पहाड़ी एवं पठारी जिलों में निवास करता है। अनुसूचित जातियों का सर्वाधिक जनघनत्व मैदानी जिलों में मिलता है। सर्वाधिक जनघनत्व (अनुसूचित जाति) भरतपुर जिले में (110) है जबकि न्यूनतम घनत्व जैसलमेर जिले में (03) है।

मुख्य शब्द

अनुसूचित जाति, जनघनत्व, जनसंख्या वितरण, राज्य, संघ राज्य क्षेत्र, द्वितीयक आँकड़े, जनगणना, प्राथमिक जनगणना सार।

प्रस्तावना

राजस्थान राज्य जातीय विविधता वाला राज्य है। यहाँ अनेक जातियाँ एवं जनजातियाँ निवास करती हैं। भारत के संविधान में अनुसूचित जातियों की कोई परिभाषा नहीं दी गई किन्तु राष्ट्रपति को यह शक्ति दी गई है कि वह प्रत्येक राज्य के राज्यपाल से परामर्श कर एक सूची बनाए। संसद को यह अधिकार है कि वह इस सूची का पुनरीक्षण कर सकती है। संसद के अधिनियमों द्वारा इस सूची में संशोधन किये जा सकने का प्रावधान है।[1]

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 14 Issue 03, March 2024,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

भारत के संविधान के अनुच्छेद 341 में यह प्रावधान है कि राष्ट्रपति किसी राज्य या संघ राज्य क्षेत्र के सम्बन्ध में उन जातियों, मूलवंशों या जनजातियों अथवा जातियों, मूलवंशों या जनजातियों के भागों या उनके समूहों को विनिर्दिष्ट कर सकेगा जिन्हें संविधान के प्रयोजनों के लिए उस राज्य या संघ राज्य क्षेत्र के सम्बन्ध में अनुसूचित जातियाँ समझा जाएगा।[2] संविधान के अन्तर्गत केवल वही व्यक्ति अनुसूचित जाति के रूप में अधिसूचित किया जाएगा जो कि हिन्दू, सिक्ख अथवा बौद्ध धर्म को मानने वाला हो।[3]

राजस्थान में अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जनजातियाँ आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 के अन्तर्गत भारत की जनगणना 2011 के प्रयोजनार्थ अनुसूचित जातियों की जो सूची बनाई गई है उसमें कुल 59 जातियों को अनुसूचित जाति की श्रेणी में रखा गया है।[4]

अनुसूचित जातियों में शामिल जातियाँ वे जातियाँ हैं जो सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक दृष्टि से अन्य जातियों से अधिक पिछड़ी हुई हैं अतः संविधान ने पिछड़ों को समान स्तर पर लाने के रक्षोपाय के रूप में इन जातियों को विधानमंडलों एवं सरकारी सेवाओं में आरक्षण का प्रावधान किया है ताकि इनका उन्नयन हो सके तथा समाज से असमानता को दूर करने में मदद मिल सके।[5]

राजस्थान राज्य की कुल जनसंख्या 68548437 है (2011) जिसमें 12221593 अनुसूचित जातियों की जनसंख्या है अर्थात् राज्य की कुल जनसंख्या में अनुसूचित जातियों की जनसंख्या 17.8 प्रतिशत है।[6]

अध्ययन क्षेत्र

क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य राजस्थान भारत के उत्तरी–पश्चिमी भाग में स्थित हैं, 342239 वर्ग किलोमीटर में फैले इस राज्य के अन्तर्गत भारत का करीब 10.41 प्रतिशत क्षेत्र आता है। इसकी पूर्व–पश्चिम अधिकतम लम्बाई 869 किलोमीटर है जबकि उत्तर–दक्षिण अधिकतम चौड़ाई 826 किलोमीटर है। भौगोलिक दृष्टि से यह राज्य 23^0 3′ उत्तरी अक्षांश से 30^0 12′ उत्तरी अक्षांश एवं 39^0 30′ पूर्वी देशान्तर से 78^0 17′ पूर्वी देशान्तर के मध्य विषम कोणीय चतुर्भुज की आकृति में फैला है। कर्क रेखा राजस्थान राज्य

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 14 Issue 03, March 2024,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

के दक्षिणी भाग में डूंगरपुर जिले की दक्षिणी सीमा को छूती हुई बांसवाड़ा जिले के लगभग मध्य से गुजरती है।[7] इस की सीमाएं भारत के पाँच राज्यों से मिलती हैं जबकि पश्चिम में पाकिस्तान देश से अन्तर्राष्ट्रीय सीमा भी मिलती है। इसके सीमावर्ती राज्यों में उत्तर में पंजाब, उत्तर–पूर्व में हरियाणा, पूर्व में उत्तरप्रदेश, दक्षिण पूर्व में मध्यप्रदेश, दक्षिण में गुजरात राज्य हैं।[8]

अध्ययन क्षेत्र अवस्थिति मानचित्र

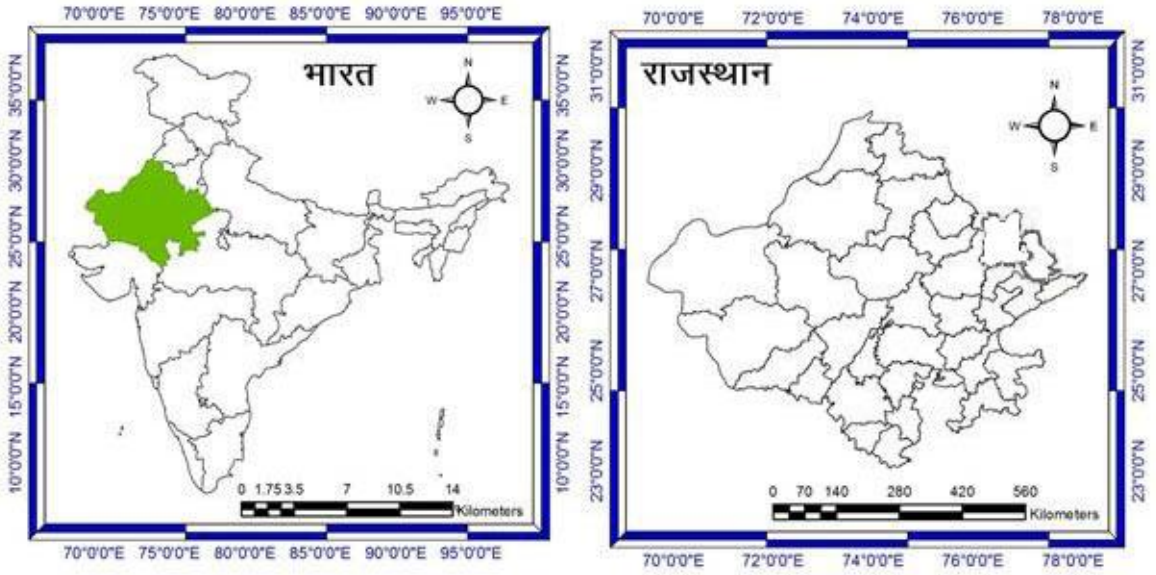

राजस्थान की जलवायु में उपोष्ण कटिबन्धीय एवं मरुस्थलीय जलवायु की विशेषताएँ पाई जाती हैं। आर्द्रता की दृष्टि से राजस्थान को सामान्यतया पाँच जलवायु भागों शुष्क, अर्द्धशुष्क, उपार्द्र, आर्द्र एवं अति आर्द्र में बाँटा जाता है।[9] राज्य में वर्षा का वार्षिक औसत करीब 53 सेण्टीमीटर है जिसका क्षेत्रीय वितरण का औसत 10 सेण्टीमीटर से 100 सेण्टीमीटर के मध्य पाया जाता है। राज्य में सर्दी, गर्मी, वर्षा सामान्य रूप से तीन स्पष्ट ऋतुएँ देखी जाती हैं।[10] भौतिक दृष्टि से राजस्थान को चार भौतिक विभागों–पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश, अरावली श्रेणी और पर्वतीय प्रदेश, मैदानी प्रदेश, दक्षिणी–पूर्वी पठारी प्रदेश में विभक्त किया जाता है।[11]

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 14 Issue 03, March 2024,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

समस्या कथन

राजस्थान में अनुसूचित जातियों को लेकर भौगोलिक अध्ययन बहुत कम हुए हैं। यह राजस्थान की सम्पूर्ण जनसंख्या का एक बड़ा वर्ग है जो राज्य की कुल जनसंख्या में 17.8 प्रतिशत हिस्सा रखता है। राज्य में अनुसूचित जातियों का वितरण असमान है। कुल जिले ऐसे हैं जहाँ इनकी जनसंख्या कुछ हजारों तक सीमित है तो कुल जिलों में इनकी जनसंख्या कई लाखों में है। यही स्थिति इनके घनत्व को लेकर भी है। अतः इस वर्ग की जातियों के वितरण एवं घनत्व का अध्ययन करना आवश्यक जान पड़ता है।

यह अध्ययन राजस्थान राज्य की अनुसूचित जातियों की जनसंख्या के बारे में कुछ नवीन तथ्य उजागर कर सकेगा जो समाज एवं प्रशासन के लिए उपयोगी साबित होंगे।

अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत शोध अध्ययन निम्न उद्देश्यों को दृष्टिगत रखकर किया गया है–

(i) राजस्थान में अनुसूचित जातियों की जनसंख्या की जिलेवार स्थिति को समझना।

(ii) राज्य में अनुसूचित जातियों के भौगोलिक वितरण को समझना।

(iii) अनुसूचित जातियों की जनसंख्या घनत्व के प्रतिरूप को जानना।

(iv) राजस्थान में निवास करने वाली अनुसूचित जातियों के बारे में जानकारी प्राप्त करना।

परिकल्पना

प्रस्तुत शोध अध्ययन निम्न परिकल्पनाओं पर आधारित है–

(i) राजस्थान में अनुसूचित जातियों के वितरण एवं घनत्व में जिलेवार अत्यधिक असमानता पाई जाती है।

(ii) मैदानी भाग में अनुसूचित जातियों का जनघनत्व सर्वाधिक है।

विधितन्त्र

प्रस्तुत शोध अध्ययन द्वितीयक आँकड़ों पर आधारित है। भारत में द्वितीयक आँकड़ा प्राप्ति का एक विश्वसनीय स्रोत भारत की जनगणनाओं से प्राप्त आँकड़े हैं। अध्ययन हेतु

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 14 Issue 03, March 2024,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

भारत की जनगणना 2011 के प्राथमिक जनगणना सार, राजस्थान से आँकड़ा एकत्रण किया गया है। प्राप्त आँकड़ों का सारणीयन किया गया है तथा मानचित्र में उनका प्रदर्शन किया गया है। घनत्व दर्शाने हेतु 'कोरोप्लेथ विधि' काम में ली गई है। सारणीयन एवं मानचित्रण विधियों से आँकड़ों का विश्लेषण कर निष्कर्ष प्राप्त किये गए हैं।

राजस्थान में अनुसूचित जातियों के अन्तर्गत आने वाली जातियाँ निम्न प्रकार हैं–

1. आदि धर्मी2. अहेरी3. बादी4. बागरी, बागदी5. बैरवा, बेरवा6. बाजगर7. बलाई8. बासफोर, बासफोड़9. बाओरी0. बार्गी, वार्गी, बिर्गी11. बावरिया12. बेडिया, बेरिया13. भांड14. भंगी, चूड़ा, मेहतर, ओलगाना, रुखी, मलकाना, हलालखोर, लालबेगी, बाल्मीकि, वाल्मीकि, कोरार, जदमल्ली15. बिदकिया16. बोला17. चमार, भाम्भी, बाम्भी, भाम्बी, जटिया, जाटव, जाटवा, मोची, रैदास, रोहिदास, रेगर, रैगर, रामदासिया, असादरू, असोदी, चमाडिया, चम्भार, चामगर, हरलय्या, हराली, खलपा, माचीगर, मोचीगर, मदार, मादिग, तेलगु मोची, कामटी मोची, रानीगर, रोहित, सामगर18. चांडाल19. दबगर20. धानक, धानुक21. धनकिया22. धोबी23. ढ़ोली24. डोमे, डोम25. गांडिया26. गरांचा, गांचा27. गारो, गरुरा, गुर्डा, गरोडा28. गवारिया29. गोधी30. जीनगर31. कालबेलिया, सपेरा32. कामड़, कामाडिया33. कंजर, कुंजर34. कापडिया सांसी35. खंगार36. खटीक37. कोली, कोरी38. कूचबंद, कुचबंद39. कोरिया40. मदारी, बाजीगर41. महार, तरल, धेगुमेगु42. माह्यावंशी, धेड़, धेड़ा, वंकर, मारु वंकर43. मजहबी44. मांग, मातंग, मिनिमादिग45. मांग गारोड़ी, मांग गारुड़ी46. मेघ, मेघवल, मेघवाल, मेंघवार47. मेहर48. नट, नुट49. पासी50. रावल51. सालवी52. सांसी53. सांटिया, सटिया54. सरभंगी55. सरगरा56. सिंगीवाला57. थोरी, नायक58. तीरगर, तीरबन्द59. तूरी

तालिका–1

राजस्थान में अनुसूचित जातियों की जनसंख्या का वितरण एवं घनत्व, 2011

क्र.सं.	जिला	क्षेत्रफल वर्ग कि.मी. में	अनुसूचित जाति की जनसंख्या	घनत्व/व्यक्ति वर्ग कि.मी.
1	जयपुर	11143	1003302	90
2	गंगानगर	10978	720412	66
3	नागोर	17718	699911	40

4	अलवर	8380	653036	78
5	जोधपुर	22850	608024	27
6	भरतपुर	5066	557305	110
7	हनुमानगढ़	9656	494189	51
8	बीकानेर	30239	493646	16
9	अजमेर	8481	478027	56
10	चूरू	30835	451721	15
11	बाड़मेर	28387	436414	15
12	सीकर	7732	418806	54
13	भीलवाड़ा	10455	407947	39
14	कोटा	5217	405408	78
15	पाली	12387	398096	32
16	झुंझुनू	5928	360709	61
17	जालोर	10640	357196	34
18	करौली	5524	354465	64
19	दौसा	3432	354337	103
20	टोंक	7194	287903	40
21	सवाई माधोपुर	4498	278789	62
22	चित्तौड़गढ़	7822	250224	32
23	धौलपुर	3033	245695	81
24	झालावाड़	6219	243582	39
25	बारा	6992	221184	32
26	बूंदी	5776	210788	36
27	सिरोही	5136	201863	39
28	उदयपुर	11724	188525	16
29	राजसमन्द	4655	148168	32
30	जैसलमेर	38401	99134	03
31	बांसवाड़ा	4522	80091	18
32	प्रतापगढ़	4449	60429	14
33	डूंगरपुर	3770	52267	14
	राजस्थान	**342239**	**12221593**	**36**

स्रोतः भारत की जनगणना, 2011, प्राथमिक जनगणना सार, राजस्थान

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 14 Issue 03, March 2024,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

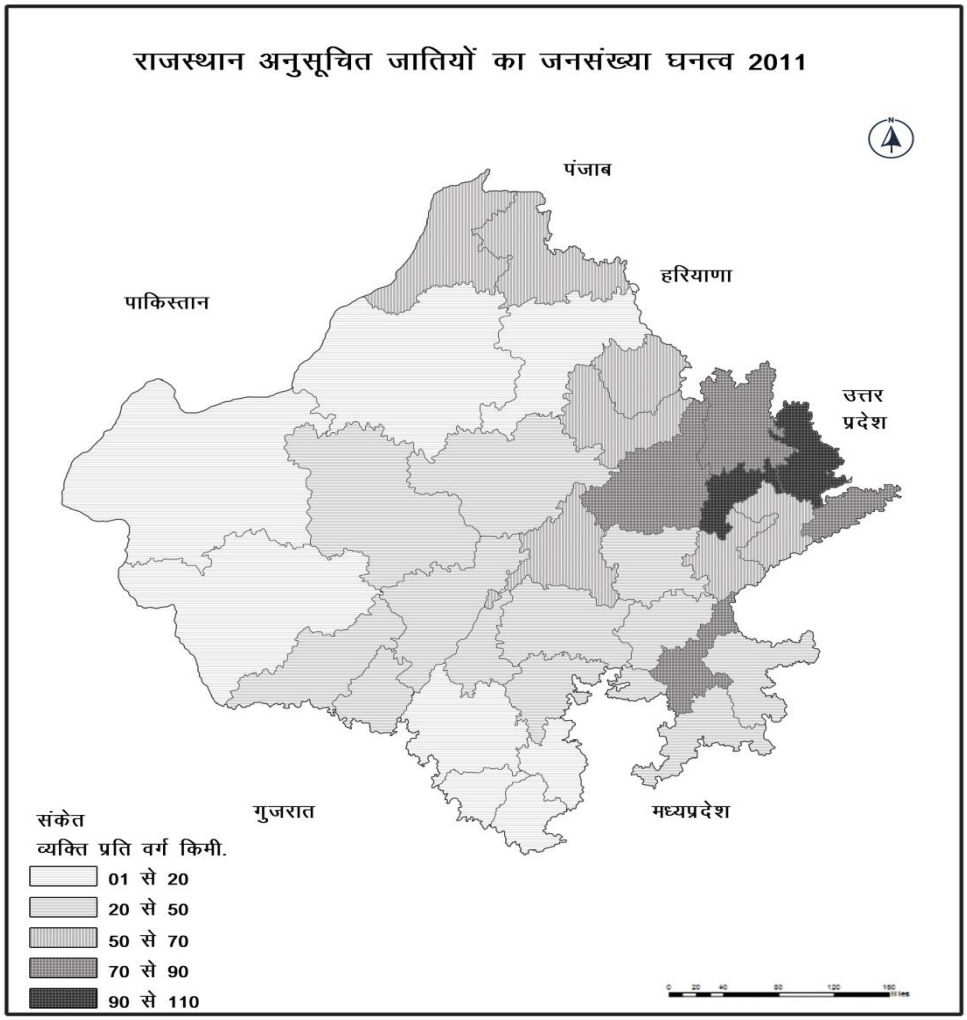

मानचित्र 1

तालिका 1 में राजस्थान की अनुसूचित जातियों की जिलेवार जनसंख्या एवं घनत्व को दर्शाया गया है। इन आँकड़ों का विश्लेषण करने पर निम्न तथ्य प्रकाश में आते हैं–

(i) राजस्थान में अनुसूचित जातियों की जनसंख्या में जिलेवार बड़ी भिन्नताएँ पाई जाती हैं।

(ii) अनुसूचित जातियों की सर्वाधिक जनसंख्या वाले 05 जिले क्रमशः जयपुर, गंगानगर, नागोर, अलवर, जोधपुर हैं जिनमें प्रत्येक जिले में 6 लाख या अधिक जनसंख्या अनुसूचित जातियों की निवास करती है।

(iii) राज्य में 06 जिले ऐसे हैं जिनमें अनुसूचित जातियों की जनसंख्या 5 लाख से अधिक है। इनमें प्रथम पाँच जिलों के अलावा भरतपुर जिला शामिल है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 14 Issue 03, March 2024,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

(iv) राजस्थान की न्यूनतम अनुसूचित जातियों की जनसंख्या वाले 04 जिले आरोही क्रम में क्रमशः डूंगरपुर, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, जैसलमेर हैं जहाँ अनुसूचित जातियों की जनसंख्या 01 लाख से (प्रत्येक जिले में) कम पाई जाती है।

(v) राज्य में 21 जिले ऐसे हैं जिनमें अनुसूचित जातियों की जनसंख्या 02 लाख से 05 लाख के मध्य पाई जाती है।

(vi) भौगोलिक दृष्टि से राजस्थान की अनुसूचित जातियों की जनसंख्या का सर्वाधिक भाग मरुस्थलीय क्षेत्र में निवास कर रहा है जहाँ 12 मरुस्थलीय जिलो में राज्य की 45.51 प्रतिशत अनुसूचित जातियों की जनसंख्या है।

पूर्वी मैदानी भाग में अनुसूचित जातियों की 30.56 प्रतिशत जनसंख्या निवास कर रही है। अर्थात् राज्य की अनुसूचित जातियों की तीन चौथाई जनसंख्या मरुस्थल एवं मैदानी भाग में निवास करती है। शेष एक चौथाई जनसंख्या (अनुसूचित जाति) पहाड़ी एवं पठारी भागों में निवास करती है।

जनघनत्व को लेकर निम्न महत्त्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं–

(i) राजस्थान में अनुसूचित जातियों का सर्वाधिक घनत्व भरतपुर जिले में 110 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। जबकि न्यूनतम जनघनत्व जैसलमेर में 03 है।

(ii) राज्य के भरतपुर एवं दौसा जिलों में अनुसूचित जातियों का घनत्व 100 से अधिक है।

(iii) राज्य में 13 जिलों में अनुसूचित जातियों का जनसंख्या घनत्व 50 से ऊपर है जबकि 20 से कम घनत्व वाले राज्य में 08 जिले हैं– जैसलमेर (03), प्रतापगढ़, डूंगरपुर (14), चूरू, बाडमेर (15), उदयपुर, बीकानेर (16), एवं बांसवाड़ा (18)

(iv) सामान्य जनघनत्व की तरह ही राजस्थान के मैदानी भागों के जिलों में अनुसूचित जातियों का जनघनत्व भी सर्वाधिक है।

(v) राज्य के पश्चिमी एवं दक्षिणी भाग में अनुसूचित जातियों का घनत्व तुलनात्मक रूप से कम है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 14 Issue 03, March 2024,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

निष्कर्ष

राजस्थान की अनुसूचित जातियों के अध्ययन से पता चलता है कि इन जातियों की सर्वाधिक जनसंख्या (45 प्रतिशत से अधिक) मरुस्थलीय जिलों में निवास कर रही है लेकिन मरुस्थलीय जिलों में इनका जनघनत्व कम पाया जाता है। मरुस्थल के बाद मैदानी भाग में अनुसूचित जातियों की बड़ी संख्या (30 प्रतिशत से अधिक) निवास कर रही है। मैदानी भाग में ही इन जातियों की जनसंख्या का घनत्व सर्वाधिक है। इससे द्वितीय शोध परिकल्पना सत्य प्रमाणित होती है।

राजस्थान के पहाड़ी एवं पठारी भाग (अरावली प्रदेश एवं दक्षिणी–दक्षिणी–पूर्वी पठारी प्रदेश) में राज्य की कुल अनुसूचित जाति जनसंख्या का केवल एक–चौथाई भाग निवास करता है। जनजाति की अधिकता वाले जिलों में अनुसूचित जातियों की कम जनसंख्या पाई जाती है। राज्य में जिलेवार अनुसूचित जातियों के वितरण एवं घनत्व में अत्यधिक असमानता मिलती है इससे प्रथम शोध परिकल्पना सत्य प्रमाणित हुई है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

[1] बसु दुर्गादास 2013, भारत का संविधान एक परिचय लेक्सिस नेक्सिस गुडगाँव, पृ. 455

[2] भारत की जनगणना 2011, प्राथमिक जनगणना सार शृंखला–9, पृ. ixvii

[3] वही

[4] वही, पृ. 623–625

[5] बसु दुर्गादास 2013, भारत का संविधान एक परिचय लेक्सिस नेक्सिस गुडगाँव, पृ. 455

[6] भारत की जनगणना 2011, प्राथमिक जनगणना सार शृंखला–9, पृ. xvii

[7] साईवाल स्नेह 2023, राजस्थान का भूगोल, कॉलेज बुक हाउस, जयपुर, पृ. 1.11

[8] शर्मा एच.एस. एवं शर्मा एम.एल., 2018, राजस्थान का भूगोल, पंचशील प्रकाशन, जयपुर, पृ.

[9] बंसल, सुरेशचन्द 2022, भारत का भूगोल, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ, पृ. 600–604

[10] चान्दना आर.सी., 2015, जनसंख्या भूगोल, कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली, पृ. 89–91

[11] वर्मा, एम.सी. 2016, राजस्थान अनुसूचित जातियों में सामाजिक–आर्थिक चेतना, अनपब्लिस्ड पीएच.डी. थीसिस, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।